कृषि विज्ञान केन्द्र, माण्डू, रामगढ़ में चल रहे 15 दिवसीय एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रशिक्षण का समापन दिनांक 06 अक्टूबर, 2020 को किया गया। केन्द्र के प्रभारी डॉ. दुष्यन्त कुमार राघव ने बताया कि इस प्रशिक्षण कि शुरूआत 21 सितम्बर 2020 को शोध केन्द्र, रॉची के प्रधान डॉ. अरूण कुमार सिंह कि गरिमामय उपस्थिति में कि गई थी। इस 15 दिवसीय प्रशिक्षण के अंतर्गत 40 उर्वरक विक्रेताओं को उर्वरक संबंधि विस्तृत जानकारी दी गई तथा पौधों के विकाश के लिए पानी, खाद एवं सूक्ष्म जीवों के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में जैविक खाद के महत्व को भी बताया गया तथा यह कहा गया कि वे किसानों को जैविक खेती के बारे में अवश्य बताये। प्रशिक्षणार्थीयों को प्रशिक्षित करने के लिए विभिन्य संस्थाओं से विशेषज्ञों को बुलाया गया था जिससे उर्वरक विक्रेताओं को उच्च स्तर का ज्ञानवर्धन किया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी श्री राजेन्द्र किशोर, आत्मा के परियोजना निदेशक प्रवीन कुमार भी केन्द्र में आकर अपने बहुमूल्य समय एवं ज्ञान दिया तथा उर्वरक विक्रेताओं से कहा कि वे प्रशिक्षण प्राप्त कर ज्ञान को किसानों के बीच उर्वरक संबंधि उचित जानकारी साझा अवश्य करे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अटारी, पटना के निदेशक डॉ. अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि खाद की उचित मात्रा फसलों एवं मिट्टी दोनों के साथ–साथ किसानों और हमारे जीवन के लिए भी प्रभावशाली है। इसलिए इस प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी को न केवल अपने व्यापार में बल्कि किसानों तथा खेती से जुड़े अन्य लोगों के बीच भी साझा अवश्य करें। उन्होंने कहा कि उर्वरक विक्रेता किसानों से सीधा जुड़े होते है इसलिए इस प्रशिक्षण का बहुत ही महत्व है। अतः प्रशिक्षणार्थी गण इस जानकारी का उचित उपयोग करें। समापन समारोह के विशिष्ठ अतिथि उप विकास आयुक्त श्री नागेन्द्र कुमार सिन्हा ने प्रशिक्षणार्थीयों को अपने प्रभावशाली अनुभवों को साझा करते हुए मुद्रा लोन योजना से लाभ लेकर व्यापार करने की सलाह दी। तथा कहा कि यह प्रशिक्षण जिले में एक अनुठी पहल है जिससे रोजगार का सृजन होगा। प्रशिक्षण का समापन करते हुए मुख्य अतिथि तथा विशिष्ठ अतिथि द्वारा प्रशिक्षणार्थीयों को प्रमाण पत्र के साथ–साथ जिन विक्रेताओं का लायसेंस का नवीनीकरण प्रमाण पत्र भी वितरीत किया गया। मौके पर केन्द्र के डॉ. इन्द्रजीत, डॉ. धर्मजीत खेरवार, सन्नी कुमार, सन्नी अशिष बालमुचू, शशि कान्त चौबे समेत अन्य लोग भी उपस्थित थे।